FOCUS NEWS
facebook.com/fnind
twitter.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in
फोकस न्यूज
www.focusnews.co.in
focusnewsbharat
...आपका अपना अखबार
नई दिल्ली। मंगलवार 07 मई 2019। तृतीया। कृष्ण पक्ष 2075 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 6 । अंक : 290

केएल धींगरा दंपति इंडिया बुक ऑफ रिकाड्र्स और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकाड्र्स के अवार्ड से सम्मानित

सपनों को साकार करने में उम्र बाधक नहीं : डॉ. धींगरा

नई दिल्ली, फोकस न्यूज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट के डायरेक्टर डॉ. के0एल0 धींगरा और उनकी पत्नी डॉ. नीलम धींगरा को एक ही दिन पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने पर इंडिया बुक ऑफ रिकाड्र्स और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकाड्र्स का अवार्ड मिला है। इंडिया बुक ऑफ रिकाड्र्स और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकाड्र्स ने धिगरा दंपति को ''फर्स्ट कपल कन्फर्म ऑफ विश्व डायरेक्टर डिग्री आन द सेम डे'' से सम्मानित किया है। दम्पत्ति की इस उपलब्धि पर आल इंडिया काउंसिल फार टेक्किकल एजूकेशन (एआईसीटीई) के डॉयेरक्टर डॉ. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने उन्हें डिग्री देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. केएल धींगरा (शेष पेज दो पर)

केएल धींगरा... (पेज एक का शेष) और डॉ. नीलम धींगरा ने एक ही दिन प्रवेश परीक्षा दी थी। डॉ. केएल धींगरा के शोध का विषय ''कॉरपोरेट गवर्नेस इन ए सेंट्रल पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइजेज'' जबकि डॉ. नीलम धींगरा के शोध का विषय ''कॉरपोरेट सोशल रिस्पान्सिबिल्टी इन ए सेंट्रल पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइजेज'' था। सबसे बड़ी और खास बात यह है कि दोनों को ही सेंट्रल पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइजेज के क्षेत्र में काम करने का अनुभव है। फोकस न्यूज के विशेष संवाददाता ने डॉ. धींगरा दंपति से उनकी इस शानदान उपलब्धि पर उनके साथ साक्षात्कार कर उनके विचार जानने की कोशिश की। जब उनसे इतनी अधिक आयु होने और महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए पीएचडी की डिग्री लेने के बारे में पछा गया तो उन्होंने बताया कि ''अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहन, दृढ़ता और समर्पण की आवश्यकता होती है, उम्र इसमें बाधक नहीं है। यदि किसी व्यक्ति ने अपने लक्ष्य को हासिल करने का मन बना लिया और उसका फोकस केवल लक्ष्य पर ही केंद्रित है तो वह कोई भी लक्ष्य हासिल कर सकता है।'' जब उनसे पूछा गया कि 62 वर्ष की उम्र में जब लोग सेवानिवृत्त, शांतिपूर्ण जीवन की प्रतीक्षा करते हैं तो उस समय उनके मन में यह विचार कैसे आया–उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा का पीछा करना सबसे अच्छा लक्ष्य है, जिसको कोई भी व्यक्ति अपना लक्ष्य बना सकता है। उनके अनुसार जब जीवन में ऐसा करने की इच्छा हो तो उसमें उम्र बाधा नहीं होनी चाहिए। पीएचडी की परीक्षा देते समय उनके अनुभवों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने फोकस न्यूज को बताया कि प्रवेश परीक्षा देते समय उनकी आयु 55 साल से ज्यादा थी। उन्हें 150 उम्मीदवारों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी और उनमें से अधिकांश परीक्षार्थी उनके अपने उच्चों की उम्र के थे।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि परीक्षा के समय वे आईटीआई लिमिटेड, बैंगलोर में अध्यक्ष और प्रबंधक निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल रहे थे जबकि डॉ. नीलम ढ़ींगरा बैंगलोर में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स में मुख्य प्रबंधक के रूप में काम कर रही थी। वे अपने शोध कार्य के लिए क्लास एटेंड करने के लिए हर सप्ताहांत में बैंगलोर से फरीदाबाद की यात्रा करते थे। उन्होंने बताया कि हम दोनों ने वर्ष 2015 में सेवानिवृत्ति के बाद पीएचडी पूरी की है। उन्होंने बताया कि डॉ. नीलम ढ़ींगरा ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्वः सीपीएसई केस स्टडी में मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद से पीएचडी की है और मैंने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में कॉरपोरेट शासनः सीपीएसई केस स्टडी को लेकर मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद से पीएचडी की है। उन्होंने बताया कि डॉ. नीलम ढ़ींगरा स्नातक स्तर पर लगातार टॉपर रहीं हैं। फोकस न्यूज को साक्षात्कार के दौरान उन्होंने बताया कि परिवार में शिक्षा और काम के प्रति जुनून इतना गहरा है कि सेवानिवृति के बाद भी डॉ. नीलम एक शैक्षिक संस्थान में पूर्णकालिक रूप से व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि आज का युवा भारत का भविष्य निर्माता है और उनकी प्रबल इच्छा विश्वविद्यालय स्थापित करने की है ताकि वे युवाओं को शिक्षा के साथ–साथ भारतीय संस्कृति की शिक्षा देकर चरित्रवान नागरिक बनाने में सहायक हों सके। उन्होंने अपने भविष्य की योजना के बारे में बताया कि हम हरियाणा से हैं और अब पंचकूला में बसने का फैसला किया है।